वन्य जीव अभयारण्य

- → वन्य जीवो की दृष्टि से राज्य का असम के बाद दूसरा स्थान राजस्थान है।
- → वन्य जीवो की रक्षा हेतु सर्वप्रथम लिखित कानून सम्राट अशोक ने बनाया।
- → स्वतंत्रता के बाद 23/अप्रैल/1951 को राज्य मे वन्यजीव एवं पक्षी संरक्षण अधिनियम पारित किया गया।

→ इस अधिनियम के तहत 7/NOV/1955 को राजस्थान के पाँच रियासती कालीन शिकारगाहो को वन्य जीव अभयारण्य घोषित कर दिये।

① रणथम्भौर → सवाई माधोपुर
② सरिस्का → अलवर
③ दर्रा → कोटा, झालावाड़
④ केसरबाग → धौलपुर
⑤ वन विहार → धौलपुर

→ सर्वप्रथम शिकार पर प्रतिबन्ध लगाने वाली रियासत → टोंक (1901)

→ वन्य जीवों की सुरक्षा हेतु भारत सरकार ने वन्य जीव एवं पक्षी संरक्षण अधिनियम 1972 मे पारित किया।

लागू → भारत सरकार द्वारा - 9/सितम्बर/1972

↳ राज्य सरकार द्वारा - 1/सितम्बर/1973

→ 42वाँ संविधान संशोधन 1976 के तहत वन्य जीवो को संविधान की समवर्ती सूची मे जोड़ा गया।

जिसके उल्लेख भारतीय संविधान के भाग 4 के अनुच्छेद 48क व 51क मे किया गया है।

→ वर्तमान राजस्थान मे - 3 राष्ट्रीय उद्यान, 26 वन्य जीव अभयारण्य 33 आखेट निषिद्ध क्षेत्र, 37 कन्जर्वेशन रिजर्व, 5 जन्तुआलय, 7 मृगवन एवं 24 पक्षी स्थल है।

① राष्ट्रीय उद्यान :→ 3 (भारत मे 106 राष्ट्रीय उद्यान है)

① रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान - सवाई माधोपुर (1/Nov/1980)
② केवला देव घना पक्षी विहार - भरतपुर (27/Aug/1981)
③ दर्रा / मुकुन्दरा राष्ट्रीय उद्यान - कोटा - झालावाड़ (9/जनवरी/2012)

जन्तुआलय = 5 भारत का पहला जन्तुआलय - मद्रास - 1855

1. जयपुर जन्तुआलय - जयपुर - 1876 - स्थापना - रामसिंह II (रामनिवास बाग) → वर्तमान - नाहरगढ़ (अभयारण्य) → चिड़ियाघरों की प्रजनन स्थली
2. उदयपुर ... - उदयपुर - 1878 → गुलाब बाग
3. बीकानेर ... बीकानेर - 1922 (बन्द)
4. जोधपुर ... जोधपुर - 1936 → ओरण वन प्रजनन केन्द्र
5. कोटा ... कोटा - 1954

नोट → राज्य का 6 ठा जन्तुआलय - अजमेर मे प्रस्तावित

→ राज्य का पहला चिड़ियाघर - नाहरगढ़ (जयपुर) < केन्द्र - 60%, राज्य - 40%

#

→ मृगवन = 7

1. चित्तौड़ मृगवन – चित्तौड़गढ़ – 1969
2. सज्जनगढ़ " – उदयपुर → 1984
3. माचिया सफारी " – जोधपुर → 1985
4. पुष्कर " – अजमेर – 1985
5. अशोक विहार " – जयपुर – 1986
6. संजय उद्यान " – जयपुर – 1986
7. अमृता देवी " – खेजड़ली (जोधपुर) – 1998

↳ एक वृक्ष मेला भाद्रपद शुक्ला 10वीं

→ आखेट निषिद्ध क्षेत्र | शिकार प्रतिबन्धित क्षेत्र :→

↳ कुल - 33   क्षेत्रफल → 26719.14 वर्ग किलोमीटर

→ बड़ा → सवंतसर कोटसर - चुरू

→ छोटा → कनक सागर - बूंदी

→ सर्वाधिक → जोधपुर - (7)

→ सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला आखेट निषिद्ध क्षेत्र → धावाडोली (जोधपुर)

→ **कंजर्वेशन रिजर्व :→ 37**

- → प्रथम → बिसलपुर रिजर्व → टोंक, अजमेर
- → नवीन → आसोप रिजर्व → भीलवाड़ा (2025)
- → बड़ा → शाहबाद रिजर्व - बारां
- → छोटा → रोटू (नागौर)

→ राजस्थान मे बाघ परियोजना :→

→ बाघ परियोजना का जनक ⇒ कैलाश सांखला
↳ टाइगर मैन ऑफ इन्डिया

→ पुस्तक ⇒ 3 लिखी
↳ ① tiger
② The Returam of tiger.
③ The History of tiger.

→ राज्य में 5 बाघ परियोजना हैं।

① रणथम्भोर → सवाई माधोपुर, करौली, टोंक, बूंदी (1973)
↳ क्षेत्रफल → 1700 वर्ग किमी.

② सरिस्का → अलवर, कोटपूतली बहरोड़, जयपुर (1978)
(बड़ी)
↳ क्षेत्रफल → 1820.66 वर्ग किमी.

③ मुकुन्दरा हिल्स → कोटा, झालावाड़, बूंदी, चित्तौड़गढ़ (2013)
↳ क्षेत्रफल - 1135 वर्ग किमी.

④ रामगढ़ विषधारी → बूंदी (2022)
↳ क्षेत्रफल - 1071 वर्ग किमी.
↳ भारत का 52 वाँ टाइगर प्रोजेक्ट

⑤ करौली धौलपुर → करौली, भरतपुर, धौलपुर (22/अगस्त/2023

↳ क्षेत्रफल - 1075 वर्ग किमी.

↳ भारत की 54वीं बाघ परियोजना

→ प्रस्तावित बाघ परियोजना

↳ कुंभलगढ़ (राजसमंद)

↳ क्षेत्रफल → 2766 वर्ग किमी.

→ विश्व बाघ दिवस - 29 जुलाई

→ विश्व मे सर्वाधिक बाघो वाला देश - भारत

→ वन्य जीव संरक्षण क्षेत्र मे दिया जाने वाला पुरस्कार → कैलाश साँखला

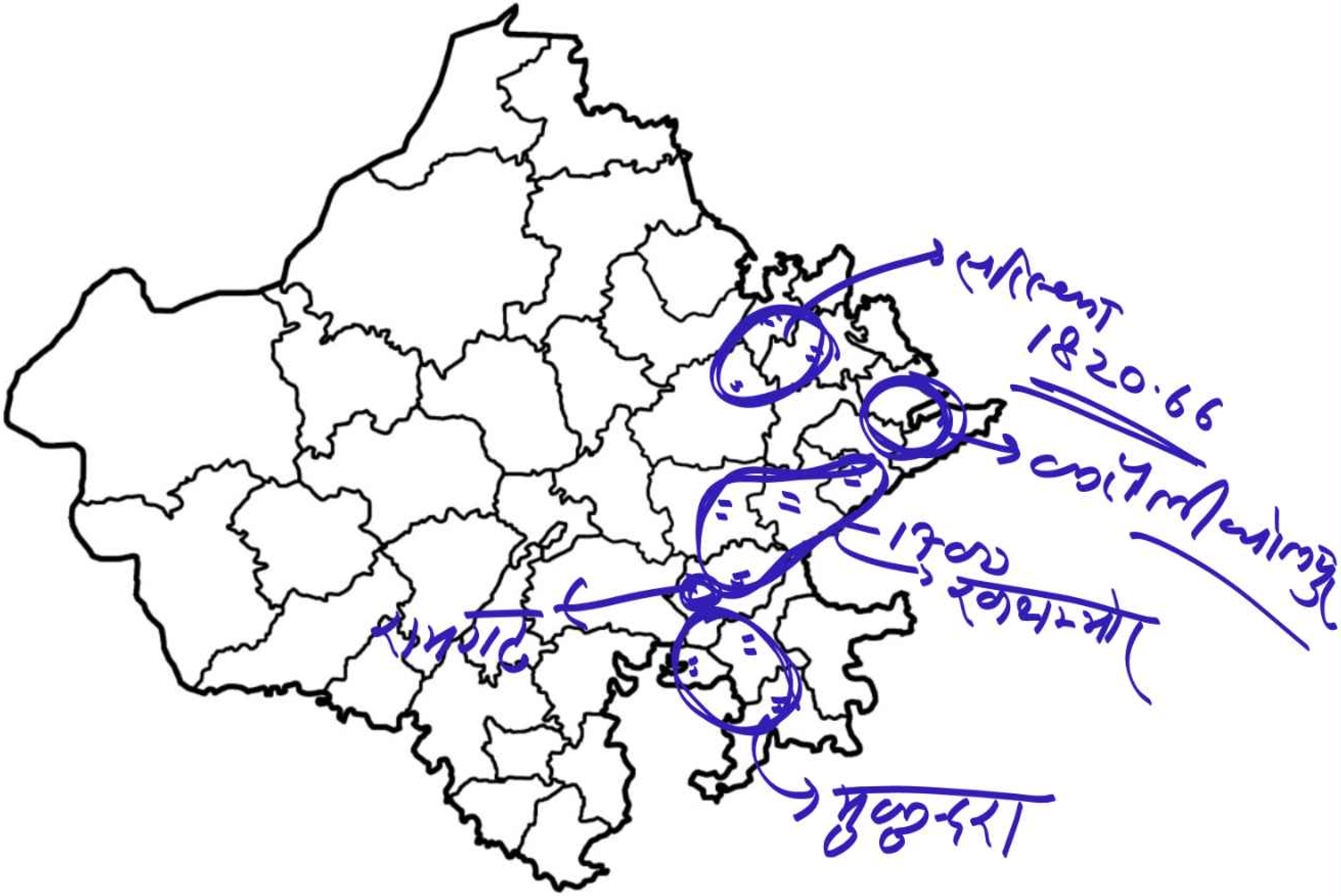
1820.66

→ <u>प्रस्तावित राष्ट्रीय उद्यान</u> = (4)

<u>Trick</u> → मस्त कुण

मरु उद्यान → जैसलमेर · बाड़मेर

सरिस्का → अलवर

ताल छापर → चुरू

कुंभलगढ़ → राजसमंद

→ राज्य मे जैविक उद्यान पार्क ⇒ (4) (बॉयोलॉजिकल पार्क)

1. सज्जनगढ़ - उदयपुर - 12/अप्रैल/2015
2. माचिया सफारी - जोधपुर - 20/जनवरी/2016
3. नाहरगढ़ - जयपुर - 4/जून/2016
4. अभेड़ा - कोटा - 18/दिसम्बर/2021

निर्माणाधीन जैविक उद्यान पार्क → (2)

1. मरुधरा → बीकानेर
2. पुष्कर → अजमेर

प्रस्तावित वन्य जीव अभयारण्य

1. मछली → बड़ी तालाब (उदयपुर)
2. मोर → झुंझुनू
3. गधा → डूंडलोद (झुंझुनू) ब्रिटेन के सहयोग से
4. गाय → अजमेर
5. चीता → शाहगढ़ (जैसलमेर)
6. भालू → जालौर
7. सर्प → कोटा / भरतपुर
8. पक्षी → बड़ोपल (हनुमानगढ़)
9. विभूति पार्क → गमघर वन क्षेत्र (उदयपुर)
10. गिद्ध संरक्षण क्षेत्र → जोहड़ बीड़ (बीकानेर)

(11) मरु क्षेत्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (आजरी) - चुरू
↳ सफेद गिद्धों के प्रजनन पर कार्य कर रही है
→ गिद्ध पक्षी को भूमि का मित्र सफाई कर्मचारी

→ रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान :→ सवाई माधोपुर
↳ उपनाम → बाघो का घर, शेरो का घर, भारतीय बाघो की भूमि
→ अभ्यारण्य का दर्जा → 1955
→ राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा → 1980
→ बाघ परियोजना → 1973
→ यहाँ लुप्त हो रहे बाघो हेतु टास्क फोर्स का गठन किया गया जिसका केन्द्र स्तर पर अध्यक्ष V.P सिंह व राज्य स्तर पर

सुनीता नारायण को बनाया गया।

→ बाघों को पकड़ने हेतु मिशन एन्टी पॉचिंग अभियान शुरू किया गया।

→ बाघो की गणना - पदमार्क चिह्न व कैमरा ट्रैप पद्धति से की जाती है)

→ प्रसिद्ध बाघिन

↳ मछली (T-16)

- ब्रिटेन की ट्रेवल ऑपरेटर संस्था द्वारा लाइफ टाइम अचिवमेन्ट आवार्ड दिया गया।
- उपनाम → रणथम्भौर क्वीन, कोलोडायल कीलर, लेडी ऑफ लेक, सेल्फी क्वीन।
- रिकार्ड → सर्वाधिक फोटो का, 2।। बच्चों को जन्म देने का,
- मृत्यु → 2016

→ T-17 बाघिन को अशोक गहलोत ने कृष्णा नाम दिया।

→ सुलतान बाघ व बबली बाघिन की प्रेम कहानी पर फिल्म निदेशन M. नल्ला मुत्थु ने डाक्युमेन्ट्री बनाई।

→ सुलतान व बबली को 2008 मे सरिस्का अभयारण्य मे छोड़ दिया।

→ मुख्य आकर्षण :→ बाघ, जंगली शुअर, मछलीखोरा, काला गरुड़ पक्षी

दर्शनीय स्थल :→

→ कुत्ते की छतरी, त्रिनेत्र गणेश मन्दिर, जोगी महल, पदम तालाब, मलिक तालाब, राजबाग झील, गिलाई झील, नौलखा दरवाजा, 32 खम्भों की छतरी।

② केवला देव घना पक्षी विहार → भरतपुर

- उपनाम - पक्षियों का स्वर्ग स्थल, एशिया की सबसे बड़ी उजनन स्थली
- अभयारण्य का दर्जा → 1958
- रामसर साइट → 1/oct/1981 (राज्य मे रामसर स्थल - ② ① सांभर झील ② केवला देव)
- विश्व धरोहर सूची मे शामिल → 1985 (एक मात्र पक्षी स्थल विश्व धरोहर मे शामिल)
- राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा → 27/अगस्त/1981
- निर्माण → किशन सिंह ने स्वीट् जरलैण्ड की झीलों के आधार पर करवाया।

→ यहाँ आस्ट्रिया देश की सहायता से नम भूमि चेतना केन्द्र की स्थापना 2005-06 मे की गई।

→ यह उद्यान पक्षी वैज्ञानिक डॉ. सलीम अली की कर्मस्थली माना जाता है सलीम अली ने पक्षियों के संदर्भ मे 15 पुस्तक लिखी।

→ यहाँ साइबेरियन सारस अक्टूबर- नवम्बर के महिने मे प्रजनन हेतु आते है व मार्च अप्रैल मे वापस जाते है।

→ यहाँ कुद्दू व ऐंचा घास पाई जाती है।

कुद्दू घास → साइबेरियन सारस सर्वाधिक पसंद करता है।

ऐंचा घास → सारस फसल कर जाते है।

→ इस अभयारण्य मे उत्तरी युरोप से पिजस मेल्लार्ड, व्हाइट स्टार्क व
लेपवीर पक्षी आते है।

→ यहाँ राज्य की प्रथम जीव प्रयोगशाला बनी है।

→ यह अभयारण्य स्वर्णिम पर्यटन त्रिकोण (दिल्ली - जयपुर - आगरा) पर स्थित है

→ __मुख्य आकर्षण__ लालगर्दन वाले तोते, पाइथन प्वाइंट मे सांप व अजगर
__जल__ → चंबल नदी द्वारा

→ यह राज्य का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है।

→ यहाँ पर चिल्लाने वाले पक्षी रोजी पिस्टर व चकवा-चकवी देखे जाते है।

③ दर्रा | मुकुन्दरा | राजीव गाँधी राष्ट्रीय उद्यान :→ कोटा, झालावाड़

- → अभ्यारण्य - 1955
- → राष्ट्रीय उद्यान - 9/जनवरी/2012
- → बाघ परियोजना - 9/अप्रैल/2013

→ यहां सर्वाधिक जीव देखे जाते है व मानव की आवाज मे बोलने वाले हिरामन, गागरोनी व हूहिया तोते देखे जाते है।

→ वन्य जीवो को पास से देखने हेतु स्तम्भ बनाये जिसे औदिया कहते है

→ दर्शनीय स्थल आदि मानव के शैलचित्र, गागरोन दुर्ग, रावठा महल, भीम-चवरी, बाड़ौली के शिव मन्दिर, अबला मीणी का महल / डहरौती का ताज महल

→ वन्य जीव अभयारण्य - 26

① सरिस्का वन्य जीव अभयारण्य → अलवर, कोटपूतली बहरोड़
- अभयारण्य - 1955
- राज्य की दूसरी बाघ परियोजना → 1978 में

→ यहाँ हरे कबूतर / हरियल पक्षी देखे जाते हैं। → पाँव जमीन पर नहीं रखते

→ पूरे भारत के सर्वाधिक मोर

→ सरिस्का भारत में बाघ स्थानांतरण का सफल परीक्षण करने वाला एक मात्र अभयारण्य है।

→ यहाँ लुप्त हो रहे बाघों हेतु मलहौत्रा कमेटी बनाई गई।

मुख्य आकर्षण → शयन मुद्रा में हनुमान जी का

↳ पाडू पोल हनुमान मन्दिर, नेड़ा की छतरी, भृत हरि की तपोस्थली, नीलकण्ठ महादेव मन्दिर, गड़राजोर के जैन मन्दिर, नारायणी माता मन्दिर, कांकनवाड़ी का दुर्ग।

② कुंभलगढ़ अभयारण्य :→ राजसमंद, पाली, उदयपुर

↳ भेड़ियों की प्रजनन स्थली

→ जंगली मुर्गे, मरु लोमड़ी, चन्दन के पेड़, परशुराम महादेव मन्दिर

③ राष्ट्रीय मरु उद्यान :→ जैसलमेर (1900 वर्ग किमी) बाड़मेर (1262 वर्ग किमी)

राज्य का सबसे बड़ा अभयारण्य (कुल क्षेत्रफल - 3162 वर्ग km)

→ सर्वाधिक गोडावण पक्षी देखे जाते हैं।

→ यहाँ साँप की 5 जातियाँ कोबरा, पीवणा, स्कोल्ड वाइपर व रसलस वाइपर देखी जाती हैं।

→ टिड्डीयों के दल, आकल वुड फॉसिल्स पार्क

→ जल की व्यवस्था → इन्दिरा गाँधी नहर से।

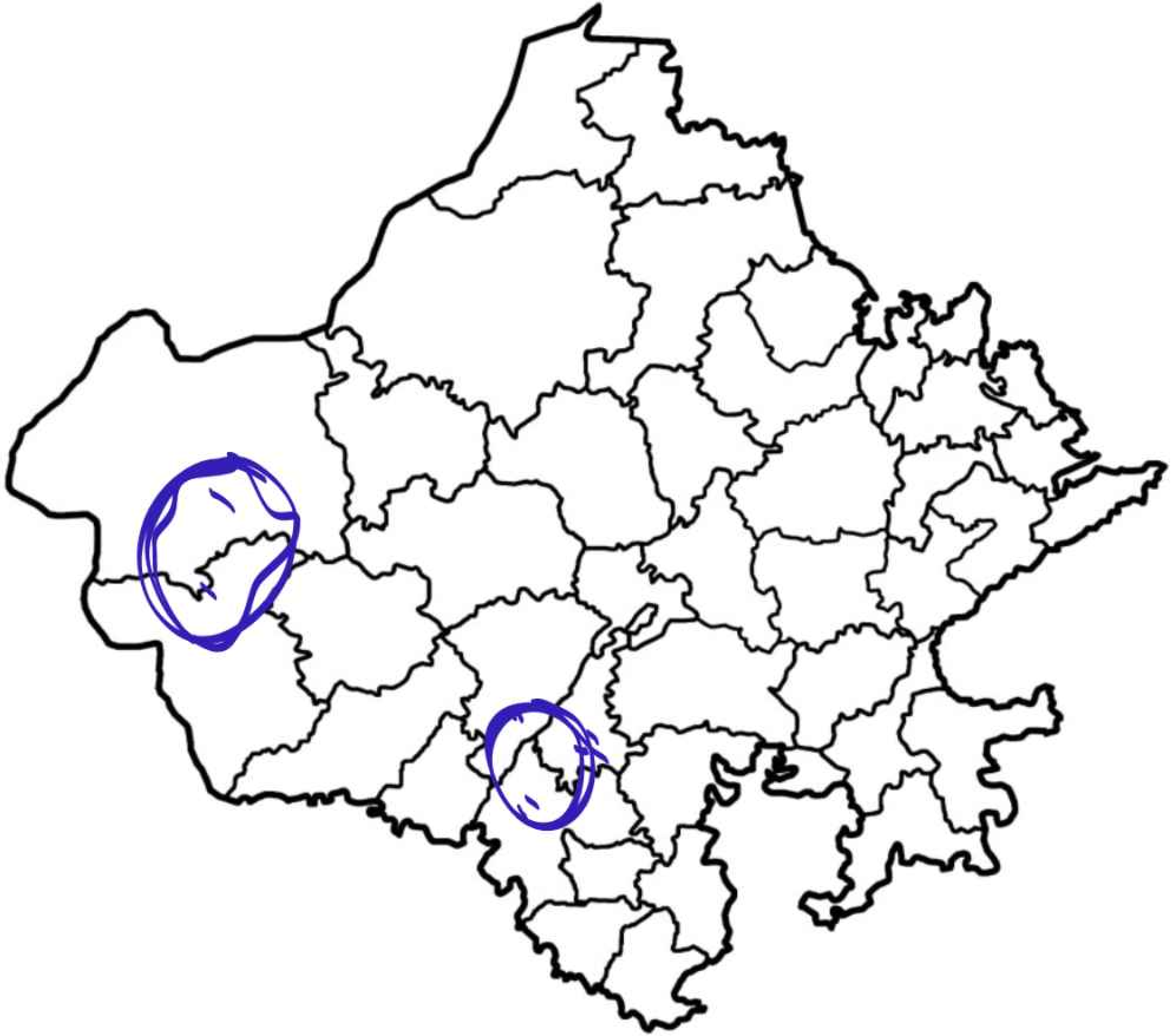

④ **माऊंट आबू अभयारण्य** :⇒ सिरोही

↳ सर्वाधिक ऊँचा अभयारण्य

मुख्य आकर्षण ⇒ जंगली मुर्गा, सुन्दर छिपकली, युबलीफेरस, दोही, चिड़िया, ग्रीन मुनिया

→ यहाँ विश्व की एकमात्र वनस्पति डिकिल पिटेला आबू टेक्सिस पायी जाती है।

→ घास ⇒ धारा व लेटाणा।

⑤ **तालछापर अभयारण्य** :→ चुरू

→ काले हिरण सर्वाधिक (एशिया के सबसे बड़े कृष्ण मृग)

नोट - हिरणो की गणना वाटर होल काउंटिंग पद्धति से

यहाँ भ्रमणशील पक्षी कुरजाँ देखा जाता है।

↳ विरह का प्रतीक पक्षी

घास - मोचिया

⑥ **सरिस्का (अ)** → अलवर

↳ राज्य का सबसे छोटा अभयारण्य (3.01 वर्ग.किमी)

⑦ सज्जनगढ़ अभयारण्य (उदयपुर)

↳ दूसरा सबसे छोटा अभयारण्य (5.19 वर्ग किमी)

⑧ जवाहर सागर अभयारण्य :→ कोटा

↳ सर्वाधिक - मगरमच्छ

⑨ शेरगढ़ अभयारण्य :→ बारां

↳ साँपो की शरण स्थली

वृक्ष - करौंदा व चिरौंजी

(10) नाहरगढ़ अभयारण्य :→ जयपुर
↳ सर्वाधिक शिकारा
→ यहाँ देश का तिसरा भालू बचाव केन्द्र है

(11) धावाडोली अभयारण्य :→ जोधपुर

(12) रामगढ़ विषधारी अभयारण्य :→ बूँदी
↳ उपनाम - रणथम्भोर के बाघो का जच्चाघर
→ जंगली कुत्ते, जलीय केसर, चन्दन के पेड़
→ संधाल सागर आखेट क्षेत्र (रणथम्भोर व बूँदी के मध्य)

(13) **गजनेर अभयारण्य** :→ बीकानेर

↳ सर्वाधिक रेत के तीतर

(14) **जयसमंद अभयारण्य** :→ सलूम्बर

↳ उपनाम - जलचरो की बस्ती

↳ जीव - बघेरा, पक्षी - बोहरा

(15) **कैलादेवी अभयारण्य** :→ करौली

↳ उपनाम - डांग लैण्ड (सर्वाधिक धोकड़ा वृक्ष)

राज्य का दूसरा सबसे बड़ा अभयारण्य

(16) <u>जमवा रामगढ़ अभयारण्य</u> :→ जयपुर

↳ लाक्षणिक नीलगाय व लंगूर

↳ रामगढ़ व हवाहोद झील

(17) <u>रावली टॉडगढ़ अभयारण्य</u> :→ ब्यावर - पाली - राजसमंद

नीलगाय व रींछ

(18) <u>बंध बारेठा अभयारण्य</u> :→ भरतपुर

↳ परिंदो का घर

(19) बस्सी अभयारण्य :→ चित्तौड़गढ़ ✓

(20) चंबल घड़ियाल अभयारण्य

चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, सवाई माधोपुर करौली, धौलपुर

- उपनाम → घड़ियालो की स्वर्ग स्थली
- विस्तार - 3 राज्यो मे (MP-UP-Raj)
- मुख्य जीव - नेत्रहीन गांगेय सूंस
  - ↳ शर्मीला जीव

(श) सीतामाता अभयारण्य :→ प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर, उदयपुर

यहाँ उड़न गिलहरी पायी जाती है जिसे मशोवा कहते हैं

चौसिंगा हिरण (भेडल)

उड़न गिलहरी महुआ वृक्ष पर रहती है। रात में बाहर निकलती है

हिमालय के बाद सर्वाधिक जड़ी बुटियां

→ लव (गर्म) कुश (ठण्डे) पानी के झरने।

नोट - लव गार्डन - भीलवाड़ा

लव कुश का जन्म - सीताबाड़ी, शेरगढ़ (बारां)

(22) <u>फुलवारी की नाल अभयारण्य</u> :- उदयपुर

(23) केसर बाग - धौलपुर

(24) वन विहार - धौलपुर

(25) रामसागर - धौलपुर

(26) सवाई मानसिंह - सवाई माधोपुर